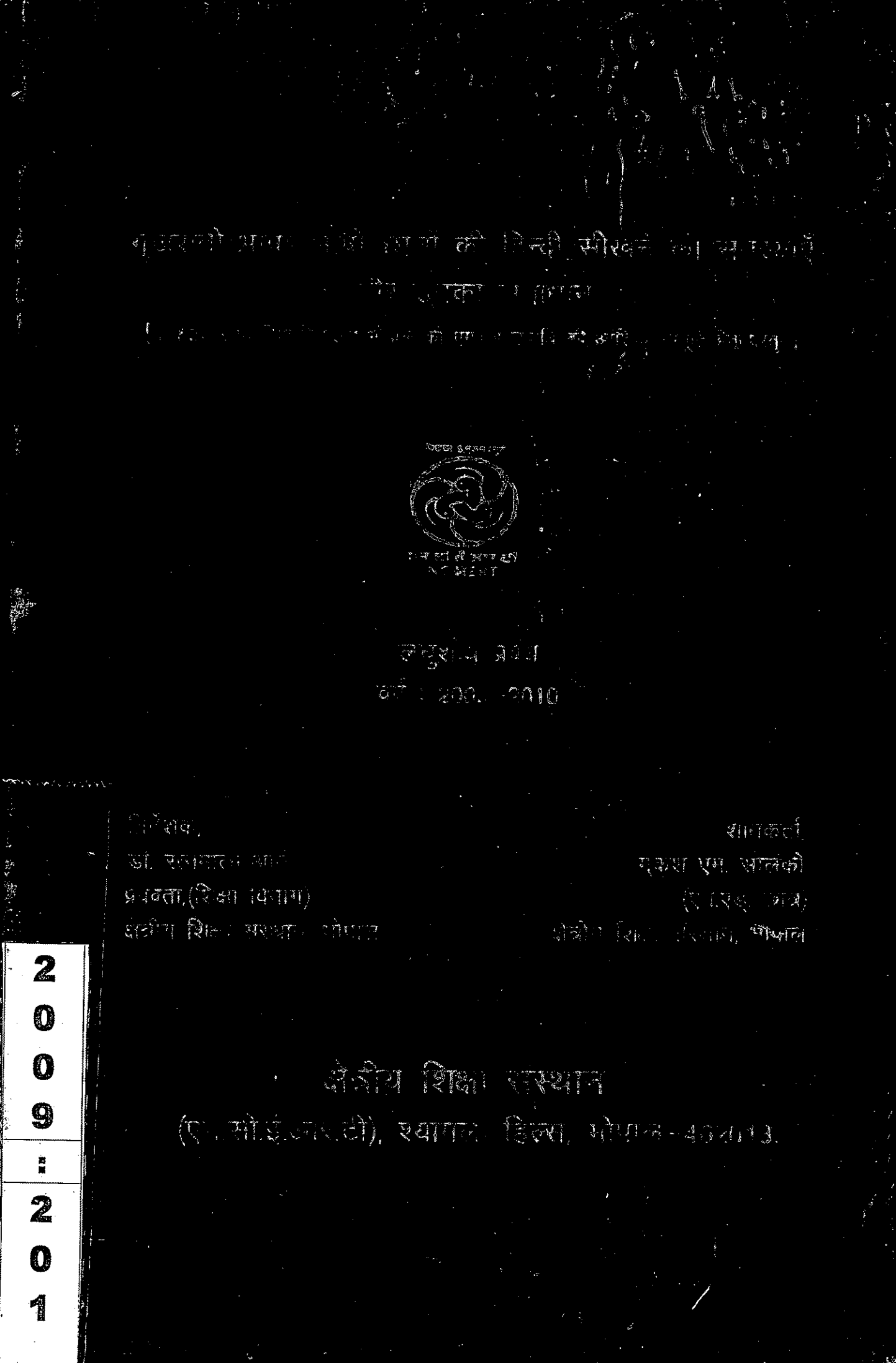

[illegible] की हिन्दी सीखने [illegible]

[illegible]

([illegible])

लघुशोध प्रबंध

वर्ष : 2009-2010

निर्देशक,
डॉ. [illegible]
प्रवक्ता,(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
मुकेश एम. सोलंकी
(एम.एड. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल-462013.

2009 : 201

गुजराती भाषा–भाषी छात्रों की हिन्दी सीखने की समस्याएँ और उनका समाधान

[बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड् उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत]

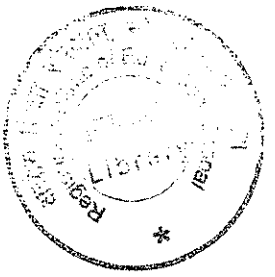

लघुशोध प्रबंध

वर्ष : 2009–2010

D-376

निर्देशक,
डॉ. रत्नमाला आर्य
प्रवक्ता,(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता,
मुकेश एम. सोलंकी
(एम.एड्. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी), श्यामला हिल्स, भोपाल–462013.

घोषणा पत्र

मैं, मुकेश एम. सोलंकी घोषणा करता हूँ कि, एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु यह लघु शोध प्रबंध "गुजराती भाषा–भाषी छात्रों की हिन्दी सीखने की समस्याएँ और उनका समाधान" विषय पर किया गया मेरे मौलिक कार्य का परिणाम है।

इस शोध कार्य हेतु जिन स्त्रोतों से सहायता ली गई हैं उनका उल्लेख मैंने संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया गया हैं।

एम. एम. सोलंकी

शोधकर्ता,
मुकेश एम. सोलंकी
(एम.एड्. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

स्थान : भोपाल
दिनांक : 10/05/2010.

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **मुकेश एम. सोलंकी** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई), श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातोकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"गुजराती भाषा–भाषी छात्रों की हिन्दी सीखने की समस्याएँ और उनका समाधान"** मेरे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध पूर्णतः मौलिक है। जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की सत्रः 2009–2010 की एम.एड्. (आर.आई.ई.) शिक्षा की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

10/05/10

निर्देशक,

डॉ. रत्नमाला आर्य

प्रवक्ता,(शिक्षा विभाग)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

स्थान : भोपाल।

दिनांक : / /2010.

आभार ज्ञापन

हर काम की तरह इस शोध प्रबंध तैयार करने में कई लोगों की महेनत, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन शामिल है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध "**गुजराती भाषा–भाषी छात्रों की हिन्दी सीखने की समस्याएँ और उनका समाधान**" की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक आदणिया डॉ. रत्नमाला आर्य को है। प्रस्तुत प्रबंध आपके द्वारा निरंतर उचित परामर्श, प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन का परिणाम है। आपका वात्सल्यपूर्ण आत्मीय व्यवहार हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय डॉ. कृ. बा. सुब्रमणियम् (प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल), डॉ. एस. के. गुप्ता (विभागाध्यक्ष) और डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (विभाग प्रभारी) का आभारी हूँ। आपने प्रस्तुत शोधकार्य करने की न केवल अनुमती प्रदान की; बल्कि स्नेहपूर्ण व्यवहार, आर्शीवाद तथा प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दी।

मैं आदरणीय डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. के. के. खरे, डॉ. एम. यू. पैइली, डॉ. अरोरा, डॉ. एन. सी. ओझा, डॉ. आनंद वाल्मिकी, श्री संजय कुमार पंडालगे, डॉ. सुनिती खरे, डॉ. सारिका साजु, डॉ. अंजली सुहाने एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने यथा समय उचित मार्गदर्शन दिया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं समस्त पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का भी आभारी हूँ। जिनका इस शोधकार्य करने में अपार सहयोग मिला।

मैं प्रा. कांतिभाई परमार(प्राचार्य, हिंदी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद) तथा डॉ. राम गोपाल सिंह (गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद के हिंदी विभाग में एसोशिएट प्रोफेसर एवं शोध निर्देशक तथा

अध्यक्ष, अखिल भारतीय अनुवाद परिषद एवं अखिल भारतीय हिंदी भाषा–साहित्य–शोध परिषद) का हृदय से आभारी हूँ। आपने प्रस्तुत अध्ययन के लिए, गुजराती भाषी विद्यार्थियों की हिंदी भाषा प्रयोग में उच्चारणिक, व्याकरणिक तथा वर्तनीगत त्रुटियों के परीक्षण हेतू प्रश्नावली निर्माण में अपेक्षित निर्देशन दिया।

मेरे बहुमूल्य सहपाठी मित्रों को उनके प्रेम और समय–समय पर अमूल्य सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद।

और अंत में मैं अपने मम्मी–पापा और पूरे परिवार को कभी नहीं भूल सकता, जिनका मैं चीर ऋणी हूँ। जिन्होंने मुझे हर प्रकार की खुशी दी हैं।

एम. एम. सोलंकी

शोधकर्ता,

मुकेश एम. सोलंकी

(एम.एड्. छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

स्थान : भोपाल

दिनांक : 10/05/2010.

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय विवरण	पृष्ठ संख्या
❶	घोषणा पत्र	I
❷	प्रमाण पत्र	II
❸	आभार ज्ञापन	III
अध्याय प्रथम :	शोध–परिचय	१–८
१.१.	प्रस्तावना	२
१.१.१.	हिन्दी भाषा	२
१.१.२.	वर्तमान भारत में अन्य भाषा के रुप में हिंदी शिक्षण	३
१.१.३.	गुजरात में हिंदी शिक्षण की स्थिति	४
१.१.४.	गुजरात में हिंदी शिक्षण की समस्या	४
१.२.	समस्या कथन	५
१.३.	अध्ययन की आवश्यकता	६
१.४.	अध्ययन के उद्देश्य	७
१.५.	अध्ययन प्रश्न	७
१.६.	परिचालक परिभाषा	८
१.७.	अध्ययन की सीमा एवं परिसीमाएँ	८
१.८.	अग्र अध्यायों का प्रारूप	८
अध्याय द्वितीय :	शोध संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	९–१४
२.१.	प्रस्तावना	१०
२.२.	संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	१०
२.३.	समस्या से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	११
२.३.१.	भारत में किये गये शोधकार्य	११
२.३.२.	एम.एड् स्तर पर हुए शोधकार्य	१२

अध्याय तृतीय : शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया १५—१९
३.१. प्रस्तावना १६
३.२. शोध प्रविधि १६
३.३. प्रयुक्त चर १६
३.४. न्यादर्श का चयन १७
३.५. उपकरण का निर्माण १८
३.६. प्रदत्तों का संकलन १९

अध्याय चतुर्थ : प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या २०—७५
४.१. प्रस्तावना २१

४.२. गुजराती भाषा और हिंदी भाषा में समानताएँ और असमानताएँ २१

४.३. गुजराती भाषी छात्रों की हिन्दी ध्वनियों के उच्चारण से संबंधित त्रुटियाँ, निष्कर्ष, कारण और उनका समाधान २४

४.४. गुजराती भाषी छात्रों के हिन्दी प्रयोग (व्याकरणिक पक्ष) से संबंधित त्रुटियाँ, निष्कर्ष, कारण और उनका समाधान ४०

४.५. गुजराती भाषी छात्रों के हिन्दी वर्तनीगत त्रुटियाँ, निष्कर्ष, कारण और उनका समाधान ५७

अध्याय पंचम : शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव ७६—८४
५.१. प्रस्तावना ७७
५.२. शोध कथन ७७
५.३. संक्षेपिका ७७
५.३.१. शोध प्रश्न ७७
५.३.२. शोध उद्देश्य ७८
५.३.३. शोध सीमा एवं परिसीमाएँ ७८
५.३.४. शोध चर ७९

५.३.५. शोध उपकरण ७९
५.३.६. न्यादर्श चयन प्रक्रिया ७९
५.३.७. प्रदत्तों का संकलन ७९
५.३.८. प्रयुक्त विश्लेषण विधियाँ ८०
५.४. निष्कर्ष ८१
५.५. शैक्षिक महत्व ८२
५.६. सुझाव ८३
५.६.१. छात्रों के लिए सुझाव ८३
५.६.२. शिक्षकों के लिए सुझाव ८३
५.६.३. भावी शोधार्थी हेतु सुझाव ८४

❹ संदर्भ ग्रंथ
❺ परिशिष्ट

सारणियों की सूची

क्रमांक	विषय विवरण	पृष्ठ संख्या
सारिणी–१ : ४.३.३.१. स्वर ध्वनियों की उच्चारणगत त्रुटियाँ		३०
सारिणी–२ : ४.३.३.२. व्यजंन ध्वनियों की उच्चारणगत त्रुटियाँ		३३
सारिणी–३ : ४.३.३.३. अनुनासिक ध्वनियों की उच्चारणगत त्रुटियाँ		३४
सारिणी–४ : ४.३.४. समग्र उच्चारणिक त्रुटियाँ		३७
सारिणी–५ : ४.४.३.१. छात्रों की संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण रूप–रचनागत त्रुटियाँ		४९
सारिणी–६ : ४.४.३.२. छात्रों की क्रिया–रूप रचनागत त्रुटियाँ		५०
सारिणी–७ : ४.४.३.३. छात्रों की शब्द–रचनागत त्रुटियाँ		५१
सारिणी–८ : ४.४.३.४. छात्रों की विविध प्रयोगगत त्रुटियाँ		५२
सारिणी–९ : ४.४.३.५. छात्रों की वाक्य–रचनागत त्रुटियाँ		५२
सारिणी–१० : ४.४.४. समग्र व्याकरणिक त्रुटियाँ		५४
सारिणी–११ : ४.५.३.१. स्वर वर्णों की वर्तनीगत त्रुटियाँ		६६
सारिणी–१२ : ४.५.३.२. व्यंजन–वर्णों की वर्तनीगत त्रुटियाँ		६९
सारिणी–१३ : ४.५.३.३. अनुनासिक और अनुस्वार (चिह्नों) की वर्तनीगत त्रुटियाँ		७०
सारिणी–१४ : ४.५.४. समग्र वर्तनीगत त्रुटियाँ		७३